वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में मनाई त्याग-तपस्यामयी दादी की पुण्यतिथि

दादीयों की त्याग तपस्या सदैव हमे ईश्वरीय मार्ग पर प्रशस्त करेगी-ब्रह्माकुमारी भाग्यलक्ष्मी

सारंगपुर । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा स्थानीय सेवाकेंद्र पर विश्व के 142 से भी अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली ब्रह्माकुमारी संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका रही दादी हृदयमोहिनी जी व दादी जानकी के पुनीत कार्यों को पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर मौन श्रृद्धांजली देकर स्नेहसुमन अर्पित किए।कार्यक्रम में उपस्थित ईश्वरीय परिवार के बहन-भाईयों ने आदरणीय दादी जी के प्रति श्रद्धांजलि दी । सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी भाग्यलक्ष्मी दीदी ने कहा कि दादी हृदय मोहिनी जी का सम्पूर्ण जीवन त्याग तपस्या का मिशाल था।उन्हें दादी गुलजार के नाम से भी जानते थे।उहोने मात्र 9 वर्ष की आयु में ही परमात्मा शिव पर अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। परमात्मा से उन्हें दिव्य दृष्टि का वरदान प्राप्त था।परमात्मा शिव द्वारा स्थापित रुद्र ज्ञान यज्ञ की विशेष सेवा के निमित्त बनी बालब्रह्मचारिणी दादीयों ने मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व स्वाहा कर संपूर्णता को प्राप्त किया। दादी जी के प्रकम्प्रन मात्र से ही लोगो का जीवन परिवर्तित हो जाता था । जानकी दादी के व्यक्तिव पर प्रकाश डालते हुए भाग्यलक्ष्मी दीदी ने कहा कि सच्चाई&सफाई&सादगी दादी के वरदानी बोल थे। वैज्ञानिकों ने उन्हें ÷मोस्ट स्टेबल माइंड ÷ की संज्ञा दी ,जिसे गीता में स्थितप्रज्ञ योगी कहा गया है।उनके समश्र होने पर निगेटिव विचार जैसे शून्य हो जाते थे।दादी के शक्तिशाली प्रकंपन एक विशेष ऊर्जा से भर देते थे। सरल सहज और शिवार्पणम जीवन जीने वाली दादी को हम सब अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।दीदी ने दादीयों के व्यक्तित्व, मानवता के कल्याण के प्रति उनकी उत्कर्ष सोच ,उनके त्याग-तपस्या- समर्पण और योगदान को सबके सामने रखा। महान दिवंगत आत्माओ का प्रकाश सदैव जग को आलोकित करता रहा है और करता रहेगा। मौन संवेदना और कैंडल लाइटिंग के माध्यम से गणमान्य,ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय परिवार और माताओ बहनों ने पुष्प अर्पित कर दादीयों को श्रद्धांजलि दी। दादी जी के प्रति भोग लगाकर प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

नववर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा पर शिप्रा तट पर सूर्य को देंगे अर्घ्य

महिदपुर। जवाहर डोसी पीयूष। आपको विदित हो है कि प्रतिवर्ष गुड़ी पड़वा, नववर्ष प्रतिपदा पर अश्विनी शोध संस्थान महिदपुर द्वारा भगवान धुजटेश्वर महादेव मंदिर धुलेट के समीप शिप्रा घाट पर प्रातः काल नववर्ष उत्सव मनाया जाता हैं।इस वर्ष नववर्ष प्रतिपदा दि. 30 मार्च 2025, रविवार को मनायी जा रही है।अश्विनी शोध संस्थान इस बार इस आयोजन को वृहत रूप देकर मना रहा है। इस हिंदू नव वर्ष का नाम सिद्धार्थी हैं।नव वर्ष उत्सव आयोजन के संदर्भ में नगर की प्रमुख संस्थाओं और सर्व समाज को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है।अतः आपसे विनती पूर्वक अनुरोध हैं कि आप अपनी संस्था/समाज के सभी महानुभाव को सूचित कर इस कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में परिवार सहित उपस्थित रहने हेतु सूचित करें एवं आप सभी महानुभाव सपरिवार पधारें और धर्म लाभ लेवें। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व धूलेट मंदिर के समीप पूर्ववाहिनी शिप्रा घाट पर आप सभी को एकत्रित होना है।सूर्योदय के समय शंख ध्वनि,नगाड़े और घोष द्वारा नववर्ष का स्वागत होगा एवं सूर्य देव को सामूहिक रूप से अर्घ्य दिया जायेगा।महाराजा विक्रमादित्य के चित्र के पूजन और आरती के पश्चात शिप्रा मैय्या को चुनरी ओढ़ाई जावेगी।अंत में स्वल्पाहार प्रसादी का वितरण किया जावेगा।इस गरिमामयी कार्यक्रम में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है। विशेष आग्रह-सूर्योदय का समय प्रात 6ः14 पर हैं इसलिए 5ः45 तक पहुंचने की कृपा करें।सूर्य को अर्घ्य हेतु तांबे का कलश साथ में अवश्य लेकर आवें।पुरुष पीला या केसरिया कुर्ता तथा महिलाएं केसरिया साड़ी पहनकर पधारें।

-निवेदक-अश्विनी शोध संस्थान, महिदपुर

गीत संग्रह माटी के गीत का विमोचन व सम्मान समारोह वार्षिकोत्सव का आयोजन 30 मार्च को

रीवा – जिले के सुप्रसिद्ध रचनाकार हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर व टीवी फेम कवि आशीष तिवारी निर्मल के द्वारा संपादित गीत संग्रह % माटी के गीत % का विमोचन व सम्मान समारोह वार्षिकोत्सव का आयोजन 30 मार्च 2025 को नवोदय पब्लिक स्कूल अमवा में शाम 3 बजे से किया जा रहा है । आयोजन समिति की ओर से रावेंद्र द्विवेदी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी एवं साहित्यकारों, शिक्षकों का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान तथा वैदिक सम्मान के साथ-साथ विद्याभूषण सम्मान तथा स्तुति घोष सम्मान, नवोदय बाल सम्मान सहित नौ प्रकार के सम्मानों से विद्यालय के छात्रों ,अभिभावकों, शिक्षकों, साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एशिया एक्सीलेंट टीचर अवॉर्ड से अवार्डेड डॉ हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर के साथ शिक्षा जगत से कई वरिष्ठ शिक्षक एवं साहित्यकार होंगे शामिल । कार्यक्रम का मंचीय संचालन देश के सुप्रसिद्ध कवि आशीष तिवारी निर्मल करेंगे। कार्यक्रम के समापन में भव्य होली मिलन समारोह होगा है जिसमें ब्रज की भांति फूलों की होली खेली जायेगी। आयोजन समिति द्वारा ग्रामीण जनों से पहुंचने की अपील की गई है।

ड्रेपिंग: फैशन डिजाइनिंग का एक महत्वपूर्ण विषय

फैशन डिजाइनिंग में ड्रेपिंग एक अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीक है, जो फैब्रिक को तैयार करने की मूलभूत प्रक्रिया में शामिल होती है। यह एक ऐसी कला है, जिसमें फैब्रिक को सीधे ड्रेस फॉर्म या मानव शरीर पर ड्रेप किया जाता है ताकि उसके फाल्स और फोल्ड्स को समझा जा सके। यह तकनीक न केवल डिजाइनरों को रचनात्मक स्वतंत्रता देती है बल्कि कपड़े के साथ प्रयोग करने और नई स्टाइल विकसित करने में भी मदद करती है।

आईए हम ड्रेपिंग की परिभाषा, तकनीकें, इतिहास, आधुनिक उपयोग, फैशन उद्योग में इसकी भूमिका और करियर की संभावनाओं को विस्तार से समझें। सबसे पहले हम यह जानते हैं कि ड्रेपिंग क्या है? दरअसल यह वह प्रक्रिया है, जिसमें फैब्रिक को सीधा ड्रेस फॉर्म या मॉडल पर पिन किया जाता है और फिर उसे एक निश्चित आकृति में ढाला जाता है। इसके विपरीत, पैटर्न मेकिंग एक समतल प्रक्रिया होती है, जिसमें कपड़े की आकृति को कागज पर डिज़ाइन किया जाता है। ड्रेपिंग का मुख्य उद्देश्य कपड़े की फ्लोइंग नेचर और टेक्सचर को समझकर एक परफेक्ट आउटफिट तैयार करना है।

यह एक थ्री स्टार डी प्रक्रिया है, जिससे कपड़े के नैचुरल फॉल को समझा जाता है।यह डिजाइनरों को नए इनोवेटिव स्टाइल विकसित करने की स्वतंत्रता देता है।ड्रेपिंग से कपड़े की कमियों और खूबियों का विश्लेषण किया जा सकता है।

यह कोई नई तकनीक नहीं है बल्कि ड्रेपिंग की परंपरा बहुत पुरानी है और विभिन्न सभ्यताओं में इसका उल्लेख मिलता है।भारत में ड्रेपिंग का सबसे प्राचीन उदाहरण %साड़ी% और %धोती% हैं, जिन्हें बिना किसी सिलाई के शरीर पर ड्रेप किया जाता है। यह शैली आज भी भारतीय परिधान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मिस्र और ग्रीक सभ्यता में मिस्र की रानियों और राजाओं के वस्त्र भी ड्रेपिंग तकनीक से तैयार किए जाते थे। वहीं, ग्रीक और रोमन सभ्यता में %टोगा% और %स्टोला% जैसे परिधान इसी तकनीक से बनाए जाते थे।यूरोप में ड्रेपिंग को उच्च वर्गीय समाज का प्रतीक माना जाता था। 19वीं और 20वीं शताब्दी में क्रिश्चियन डियोर और मेडेलीन वायनेनेट जैसे डिजाइनरों ने ड्रेपिंग को आधुनिक फैशन में पुनर्जीवित किया।

ड्रेपिंग की तकनीकें- ड्रेपिंग मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है- क्लासिकल ड्रेपिंग - इस प्रक्रिया में कपड़े को सॉफ्ट और फ्लोई स्टाइल में ड्रेप किया जाता है।इसका उपयोग अक्सर ग्रीक और रोमन स्टाइल के गाउन में किया जाता है। स्ट्रक्चर्ड ड्रेपिंग-इसमें कपड़े को विशेष आकार देकर उसे ड्रेप किया जाता है। स्ट्रक्चर्ड ड्रेपिंग तकनीक जैकेट, स्कर्ट और

कटेप्मररी डिज़ाइनों में प्रयोग होती है।

ड्रेपिंग के लिए आवश्यक सामग्री- ड्रेपिंग शुरू करने के लिए कुछ विशेष सामग्रियों की आवश्यकता होती है- ड्रेस फॉर्म यह एक मानवीय आकार का टॉर्सो होता है, जिस पर ड्रेपिंग की जाती है। फैब्रिक मस्कलिन- इसे ड्रेपिंग प्रैक्टिस के लिए सबसे अधिक प्रयोग किया जाता है। शिफॉन और जॉर्जेट- यह फ्लोई और लाइट ड्रेपिंग के लिए उपयुक्त होते हैं। साटन और टाफेटा- ये स्ट्रक्चर्ड ड्रेपिंग के लिए बेहतरीन माने जाते हैं। अन्य उपकरण- पिन,कैंची,चॉक या मार्किंग पेन,रूलर आदि।

ड्रेपिंग की प्रक्रिया- ड्रेपिंग एक फेज में की जाने वाली प्रक्रिया होती है, जिसमें निम्नलिखित स्टेप्स शामिल होते हैं- फेज 1- फैब्रिक की तैयारी सबसे पहले फैब्रिक को आयरन कर सही शेप में तैयार किया जाता है फिर जरूरत के अनुसार कपड़े को काटा जाता है। चरण 2- ड्रेस फॉर्म पर पिन करना-फैब्रिक को ड्रेस फॉर्म पर लपेटकर पिन किया जाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि सिलवटें संतुलित हों। चरण 3- सिलाई और फिनिशिंग जब ड्रेपिंग का डिज़ाइन संतोषजनक हो जाता है, तो इसे स्थायी रूप से सिल दिया जाता है।अंतिम रूप से आउटफिट को फिटिंग और स्टाइलिंग के अनुसार एडजस्ट किया जाता है। ड्रेपिंग और आधुनिक फैशन इंडस्ट्री-डिजाइनर ड्रेपिंग का उपयोग न केवल हाई-एंड कलेक्शंस में करते हैं बल्कि रेड कार्पेट गाउन्स, वेडिंग ड्रेसेज़ और फिल्म कॉस्ट्यूम्स में भी इसका विशेष महत्व है।

ड्रेपिंग में करियर की संभावनाएँ- ड्रेपिंग में विशेषज्ञता हासिल करने वाले छात्रों के लिए कई करियर विकल्प उपलब्ध हैं- फैशन डिजाइनर-डिजाइनर बनने के लिए ड्रेपिंग का ज्ञान अनिवार्य है। इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए फैशन संस्थानों में संबंधित कोर्स किया जा सकता है. इसकी पढ़ाई ऑन लाइन भी की जा सकती है।

कॉस्ट्यूम डिजाइनर- फिल्म और थिएटर के लिए ड्रेपिंग तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाता है।

टेक्सटाइल और फैब्रिक कंसल्टेंट- डिजाइनर फैब्रिक की गुणवत्ता और ड्रेपिंग स्टाइल को परखने के विशेषज्ञ बन सकते हैं। ड्रेपिंग केवल एक तकनीक नहीं बल्कि एक कला है, जो फैशन को एक नया आयाम देती है। यह न केवल डिजाइनरों को रचनात्मकता की स्वतंत्रता देती है बल्कि फैशन इंडस्ट्री में एक प्रतिष्ठित करियर भी प्रदान कर सकती है। यदि कोई व्यक्ति ड्रेपिंग में महारत हासिल करता है, तो वह अपने अनूठे डिज़ाइनों से वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकता है।ड्रेपिंग फैशन डिजाइनिंग का एक अनिवार्य हिस्सा है, और इसके सही उपयोग से एक साधारण कपड़े को असाधारण कृति में बदला जा सकता है।

- मोनिका सिन्हा, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइनिंग एंड फैशन टेक्नोलॉजी मुंबई, 9930931142

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं, रक्तदाता समाज को प्रेरणा देने का काम करते - चौहान

महिदपुर रोड में नगर पोरवाल स माज के प्रमुख समाजसेवी स्वर्गीय अनोखी लाल फरक्या की तृतीय पु ण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आ योजन किया गया जिसमें बड़ी सं ख्या में युवाओं ने इस दौरान उपस्थि त होकर रक्तदान किया समारोह के मुख्य अतिथि बहादुर सिंह चौहान ने रक्तदाताओं को बधाई देते हुए कहा आप समाज के युवाओं को प्रेरणा दे ने का कार्य करते हैं समारोह में अति थि के रूप में समाज के युवा संगठन के जितेन्द्र काला नगर पोरवाल ने कहा पोरवाल के समाज के युवा शो षित पीड़ित बीमार लोगों की सहाय ता के लिये हर समय तत्पर रहते हैं यह हम सभी के लिये गर्व का विषय समाज अध्यक्ष शिवनारायण काला ने कहा नगर के युवाओं का पूरे प्रदेश में समाज सेवा के लिये एक विशिष्ट स्थान है नगर जैन समाज के समा जसेवी राजेश काठेड़ ने कहा और वाल समाज के अन्य समाज के लोग युवा भी हमेशा प्रेरणा लेंगे ऐसी मुझे उम्मीद है काठेड ने इस दौरान स्व र्गीय अनोखी लाल वैन तथा चलित वैन पर रक्तदान शिविर में जाकर रक्त एकत्रित करने वाली स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उपस्थित होकर रक्त दाता ओं से रक्त एकत्रित किया रतलाम शिविर के आयोजन के दौरान स्थानीय मेडिकल ऑफि सर अमित वर्मा डॉक्टर सलूजा की भी मौजूदगी रही फरक्या के समा ज सेवा में योगदान का भी उल्लेख किया। रक्तदान शिविर के आयोजन संदीप एवं प्रतीक फरक्या ने बताया नगर सहित आसपास के गांव से ब ड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान कि या शिविर में रक्तदान करने वाले यु वाओं का ब्लड एकत्रित करने जिला चिकित्सालय उज्जैन की चलित

पाँचवीं बोर्ड परीक्षा में कुरुद के शत प्रतिशत बच्चे रहे उपस्थित

दुर्ग/भिलाई- पाँचवी बोर्ड परीक्षा का आयोजन पहले भी होता था किन्तु शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009-10 के लागू होने से 5वीं व 8वीं बोर्ड परीक्षा को समाप्त कर दिया गया था । जिसके तहत पहिली से आठवीं तक किसी भी बच्चे को कक्षा म न रोकने का नियम अर्थात फैल न करने का नियम था। सभी बच्चे अगले कक्षा में चले जाते थे। उक्त नियम का पालन विगत वर्षो से किया जा रहा था। जिसका दूरगामी परिणाम शिक्षा स्तर में गिरावट देखा गया । शिक्षा गुणवत्ता में सुधार व बच्चों के स्तर जाँचने राज्य भर में पुन- पाँचवी केन्द्रीकृत बोर्ड परीक्षा 2025 का आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसका पहला पर्चा 17मार्च को गणित विषय के साथ शुरु हुआ 21मार्च को दूसरा प्रश्न पत्र अंग्रेजी,24 मार्च हिंदी,27 मार्च पर्यावरण के साथ बोर्ड परीक्षा का समापन हुआ।

मोदी सरकार जीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य रखकर आपदा प्रबंधन कर रही है - अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने राज्यसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि, 'मोदी सरकार रिएक्टिव की जगह प्रोएक्टिव अप्रोच और मिनिमम कैजुअल्टी की जगह जीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य रखकर आपदा प्रबंधन कर रही है। इस बिल में आपदा प्रबंधन के माध्यम से आपदा के खिलाफ लड़ाई को रिएक्टिव अप्रोच से आगे बढ़ाकर न केवल प्रोएक्टिव बल्कि इनोवेटिव और पार्टिसिपेशन अप्रोच तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है। इस विधेयक में सरकार के प्रयास के साथ सामुदायिक प्रयास का भी प्रावधान किया गया है और आपदा रोधी निर्माण के साथ ही प्रकृति के संरक्षण का भी ख्याल रखा गया है।' आज यह बात पूरी दुनिया स्वीकार कर चुकी है कि पर्यावरण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरे विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं, यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें 'चैंपियन्स ऑफ अर्थ' की उपाधि से सम्मानित किया है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में रिस्पॉन्स में क्षमता, तीव्रता, दक्षता और सटीकता को समाहित करने वाले इस विधेयक के माध्यम से रिएक्टिव रिस्पॉन्स से प्रोएक्टिव रिस्क रिडक्शन, मैनुअल मॉनिटरिंग से ए0आई आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग, रेडियो चेतावनी से सोशल मीडिया, ऐप्स और मोबाइल चेतावनी तथा गवर्नमेंट रिस्पॉन्स की जगह मल्टीडायमेंशनल रिस्पॉन्स, जिसमें सोसायटी और नागरिक शामिल हैं, का बेहतर प्रावधान पेश किया है।

रिण्डों से घर-घर पहुंचेगा जीवदया का संदेश - बोहरा

बाड़मेर । जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से पंछी जल सेवा को लेकर चलाये जा रहे परिण्डा अभियान के तहत् गुरूवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-68 सांसियों का तला के पास संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन के नेतृत्व में मिट्टी के परिण्डे लगाएं गए। जहां परिण्डे लगाने के साथ-साथ जीवों के रक्षा व संरक्षण का संकल्प लिया गया। वहीं सांसियों का तला में 02 अप्रैल से घर-घर परिण्डे वितरित किये जायेंगें। संस्थान अध्यक्ष व जीवदया प्रेमी मुकेश बोहरा अमन ने अलग-अलग स्थानों पर परिण्डे लगाते हुए कहा कि प्रकृति पर सन्तुलन व मानवता के सर्वांगीण विकास व उन्नयन में समस्त जीवों साथ समभाव व मैत्री का भाव बहुत ही जरूरी है। अमन ने कहा कि हमें जीवों के प्रति दया, करूणा व मैत्री का भाव रखते हुए जीवन में यथासम्भव जीव दया व कल्याण के कार्य करने चाहिए। अमन ने कहा कि परिण्डा अभियान व जल कुण्डी अभियान के माध्यम से थार नगरी, बाड़मेर में घर-घर जीवदया का संदेश पहुंचगे व आमजन इससे प्रेरित होकर जीवदया के कार्यां में सलंग्न होंगें।

डॉ पूर्णिमा पाण्डेय पर केंद्रित विशेषांक का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। शहर समता विचार एवं प्रयागराज की ओर से आज 25 मार्च 2025 को वरिष्ठ कवयित्री डॉक्टर पूर्णिमा पांडेय पर आधारित एक कवि और कविता विशेषांक का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके पूर्व मचंस्थ कवि विद्वानों ने माँ सरस्वती के माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमेश श्रीवास्तव और मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी, विशिष्ट अतिथि इंदु मिश्रा जमदग्नि ने किया। डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवम स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया । इस सत्र का संचालन लोकरंजन प्रकाशन के प्रकाशक रंजन पांडेय जी ने किया। दूसरे सत्र में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शम्भूनाथ श्रीवास्तव शम्भु, रंजन पांडेय, डाक्टर प्रदीप चित्रांशी, कल्पना वर्मा, जयामोहन श्रीवास्तव, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, पांडेय मनमौजी, डाक्टर ऊषा सिंह, उपेन्द्र पांडेय मनमौजी, आरवी सिंह पथिक, राजश्री शुक्ला, तारकेश्वर तिवारी, कविता उपाध्याय, मंजूलता नागेश, प्रियंवदा शुक्ला, अश्विन पांडेय, राकेश पांडेय आदि उपस्थित रहे।

वार्षिकी लेखा बंदी मंडी नीलामी अवकाश सूचना

महिदपुर।जवाहर डोसी पीयूष। समस्त किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि मण्डी सामान्य अवकाश एवं महिदपुर तहसील अनाज व्यापारी संघ महिदपुर द्वारा आवेदन अनुसार निम्न दिनांको में मंडी प्रांगण / उपमंडी प्रांगण में नीलामी कार्य बंद रहेगा। दि.29.03.2025 भूतडी अमावस्या (व्यापारी संघ अनुसार) दि.30.03.2025 रविवार साप्ताहिक अवकाश, दि.31.03.2025 ईद-उल फितर अवकाश, दि.01.04.2025 वार्षिकी लेखा बंदी बैंक अवकाश (व्यापारी संघ अनुसार), अतः दि.29/03/2025 शनिवार से 01.04.2025 मंगलवार तक मंडी प्रांगण एवं उपमंडी प्रांगण में नीलाम कार्य बंद होने से किसान भाई अपनी फसल मंडी प्रांगण में विक्रय हेतु नही लावें। **नोट-** किसान / विक्रेता भाई अपनी फसल मंडी बेचने हेतु लाने पर मंडी एप्स मोबाईल एंड्राइड ऐप्लीकेशन डाउनलोड कर ऐप्स की सुविधा से प्रवेश पर्ची कमांक घर पर से स्वयं बनाकर ला सकते है ताकि मंडी आने पर अपनी फसल का प्रवेश पर्ची पुनः जारी नही कराना पडेगा। मण्डी विपणन कार्य में विक्रय उपज के तौल भुगतान की समस्या पर मण्डी दुरभाष नम्बर 07365-299003 तथा महिदपुर मंडी कर्मचारी संपर्क नम्बर 8517959777 9009824699, 9755362297, 8770204641, 8982464346, 9179888651, यह जानकारी आश्विन सिंह मंडी सचिव ने दी है

भारतीय नववर्ष - शोभायात्रा मार्ग में बांटे पीले चावल, उत्सव में पधारने का सानुरोध निमंत्रण

उदयपुर, । भारतीय नववर्ष समाजोत्सव समिति के तत्वावधान में भारतीय नववर्ष संवत 2082 के स्वागत में तीन दिवसीय आयोजनों का उत्सवी शुभारंत शुक्रवार प्रातः वेला में घोष निनाद से होगा। शहर के छह देव स्थानों पर घोषवादन की मंगल ध्वनि से शहर को भारतीय नववर्ष की वेला के आगमन की सूचना दी जाएगी। इसके बाद सांध्य वेला में प्रतिभा प्रकटीकरण कार्यक्रम होगा। इससे पूर्व, गुरुवार सायंकाल मुख्य शोभायात्रा मार्ग पर शहरवासियों को पील चावल व पत्रक बांटकर आयोजनों में सहभागिता का सानुरोध निमंत्रण दिया गया। भारतीय नववर्ष समाजोत्सव समिति के संयोजक डॉ. परमवीर सिंह दुलावत ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से उदयपुर में भारतीय नववर्ष को भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इस बार नववर्ष विक्रम संवत 2082 के आरंभ अवसर पर आयोजनों का विस्तार करते हुए तीन दिवसीय आयोजनों की रचना की गई है। 28 मार्च शुक्रवार को प्रातः 7.30 बजे बोहरा गणेशजी मंदिर, जगदीश मंदिर, गुरुद्वारा सचखण्ड दरबार सिख कॉलोनी, रामदेव मंदिर ठक्करबापा कॉलोनी, जैन मंदिर सेक्टर-4, एकलव्य कॉलोनी खेड़ादेवी मंदिर में घोषवादन किया जाएगा। घोषवादन के लिए उन समाजों से भी आग्रह किया गया है जिनके पास समाज के घोषदल तैयार हैं। इसके बाद सायंकाल 6 बजे नगर निगम प्रांगण में स्थानीय प्रतिभाओं का प्रकटीकरण समारोह होगा। इस अवसर पर स्थानीय प्रतिभाओं की लोक संस्कृति और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां होंगी।

मधुकर ज्ञानोपासना कन्या शिविर, गिरनार तीर्थ

महिदपुर। जवाहर डोसी पीयूष। पुण्य सम्राट राष्ट्रसंत श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वरजी मसा एवं आचार्य श्रीमद जयरत्न सूरीश्वरजी मसा के आज्ञानुवर्तीनी व समत्वसाधिका साध्वी श्री महाप्रभा श्रीजी मसा की सुशिष्या समतानिधि साध्वी श्री प्रीतिदर्शना श्रीजी आदि ठाणा- 8 की निश्रा में,श्री गिरनार महातीर्थ जो अनंत तीर्थकरों के कल्याणक एवं वर्तमान चौविसी के 22वें तीर्थकर बालब्रह्मचारी नेमिनाथ परमात्मा के दीक्षा केवल ज्ञान और मोक्ष कल्याणक से पवित्र बना है और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर गौरवशाली गिरनार तीर्थ की जय तलेटी में छन्दिवसीय मधुकर संस्कार ज्ञानोपासना कन्या शिविर दि. 3 मई से 8 मई 2025 तक श्री नेमिजिन सेवा ट्रस्ट यात्रिक भवन भवनाथ तलेटी जुनागढ़ गिरनार तीर्थ (गुजरात) में आयोजन किया जा रहा है। आप सभी माता पिताओं से आग्रह है कि अपनी 12 से 30 वर्ष तक की बिटिया रानी को गिरनार तीर्थ पर होने वाले शिविर में भेजकर उनके ज्ञानार्जन एवं संस्कार अभिवृद्धि में सहभागी बनें।इस गोल्डन अवसर को चूकें नहीं,शिविर में आना भूलें नहीं। अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि शिविर हेतु आवश्यक निर्देश का पालन अवश्य करें। सामयिक के उपकरण,प्रतिक्रमण की पुस्तक एवं पूजा के वस्त्र साथ में लावें। शिविर में मर्यादा पूर्वक वस्त्र पहनें।उद्भट वेश भूषा मान्य नहीं होगी।सफेद चुन्नी साथ में लाना अनिवार्य है।दूर से आने वाले शिविरार्थियों को किराया दिया जाएगा।शिविर सम्बधित कार्य के लिये ब्रजेश बोहरा 9827244175 पकंज रूनवाल 9827343070 के मोबाईल नम्बर पर सम्पर्क करें।